गृह मंत्री ने पुलिस कमिश्नर से मांगी जेएनयू मामले की रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद व वामपंथी छात्र संगठनों के बीच रविवार को हुई जमकर मारपीट, पथराव व तोड़फोड़ मामले की गूंज गृह मंत्रालय तक जा पहुंची। गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर अमूल्य पटनायक से देर शाम इस मसले पर विस्तृत बात की और संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारी से जांच करवा रिपोर्ट सौंपने को कहा। गृहमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस आयुक्त ने जेएनयू बवाल मामले की जांच संयुक्त आयुक्त शालिनी सिंह को सौंप दी है।

जेएनयू मामले को लेकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन करते छात्र। संजय

स्वरा भास्कर ने की सोशल मीडिया पर अपील : शाम को एबीवीपी व वामपंथी छात्र संगठनों के बीच जेएनयू परिसर में पहले सरेआम मारपीट हुई। एक-दूसरे पर जमकर पथराव किया गया। उसके बाद जेएनयू प्रशासन द्वारा वसंतकुंज थाना पुलिस को सूचना दी गई। कुछ ही देर में जेएनयू के गेट के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए। वामपंथी छात्र संगठनों व फिल्म अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया पर भावुक अपील कर अधिक से अधिक संख्या में छात्रों को जेएनयू के गेट के बाहर पहुंचने की अपील की। उसके बाद वामपंथी विचारधारा से जुड़े सैकड़ों छात्र वहां पहुंच गए। एबीवीपी से जुड़े छात्र भी बड़ी संख्या में कैंप पहुंच गए। पुलिस के सामने छात्रों के दोनों गुट बार-बार एक-दूसरे से लड़ने को उतारू होते रहे। देर रात तक नारेबाजी का भी सिलसिला जारी रहा। वामपंथी समेत कई राजनीतिक पार्टी के नेताओं ने ट्वीट कर व बयान देकर दिल्ली पुलिस की निंदा की और कहा कि पुलिस को समय रहते इस तरह की घटना को रोकना चाहिए।

जेएनयू में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च : बवाल को देखते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद मोहन समेत दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी देवेंद्र आर्या आदि कई अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पूरे जेएनयू में देर रात तक पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। सभी छात्रावासों के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए।

योगेंद्र यादव पर हमला : बवाल की सूचना पर स्वराज इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र यादव जब जेएनयू पहुंचे, तब उन पर भी हमला किया गया। उन्होंने कहा कि कैंपस में अराजक तत्वों को रोकने वाला कोई नहीं है। देर रात तक दिल्ली पुलिस के कई आला अधिकारी जेएनयू कैंपस के अंदर व बाहर कैंप किए रहे।

केजरीवाल ने एलजी से की बात

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : जेएनयू में हुई मारपीट पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पुलिस घटना पर तुरंत कार्रवाई करे। क्या हमारे छात्र कैंपस में भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल अनिल बैजल से बात कर मामले में पुलिस को तुरंत दिशा-निर्देश जारी करने के लिए अनुरोध किया है। केजरीवाल ने कहा कि उपराज्यपाल ने आश्वासन दिया है कि वह इस मामले पर नजर रखे हुए हैं। उधर, आप से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने घायल की तस्वीर पोस्ट कर कहा कि जेएनयू की अध्यक्ष आईशी घोष, महामंत्री सतीश चंद्र यादव पर हमला देश की युवा शक्ति को चुनौती है। जेएनयू के प्रो. अतुल सूद, विकास वाजपेयी के साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई है। उन्होंने एक महिला की फोटो ट्वीट कर कहा कि जेएनयू की महिला प्रो. सुचित्रा सेन की ये तस्वीर देख कर आपका दिल दहल जाएगा। वहीं, दिल्ली सरकार ने घायल छात्रों व प्रोफेसरों की मदद के लिए सात एंबुलेंस जेएनयू भेजी।

हिंसा पर भाजपा-विपक्ष भिड़े

नई दिल्ली, प्रेट्र : जेएनयू में भड़की हिंसा की सभी दलों ने कड़े शब्दों में निंदा की है। साथ ही पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने एक-दूसरे पर आरोप भी लगाए हैं। भाजपा नेता व जेएनयू के छात्र रहे विदेश मंत्री एस जयशंकर व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने हिंसा की निंदा की है। सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार विश्वविद्यालयों को छात्रों के लिए सुरक्षित स्थल बनाना चाहती है। जयशंकर के साथ ही केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने इसे विश्वविद्यालय की संस्कृति के खिलाफ बताया। भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि यह भी नहीं भूलना चाहिए कि जेएनयू में देश को टुकड़े टुकड़े करने वाले विचारधारा के लोग रहते हैं, जो आतंकवादी को सुप्रीम कोर्ट से फांसी की सजा को हत्या बताते हैं।

भाजपा का तरफ से देर रात किए गए ट्वीट में इस घटना के लिए अराजकतावादी ताकतों को जिम्मेदार ठहराया गया, जो अपनी सिमटती राजनीति को धार देने के लिए छात्रों को बलि का बकरा बना रहे हैं।

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने इसे गैर लोकतांत्रिक और नियोजित हमला बताया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल छात्रों के प्रति समर्थन जताने जेएनयू जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश पर शासन करने वाली फासीवादी ताकतें छात्रों से डर गई हैं। यह हिंसा उसी डर को दिखाती है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इसे छात्रों से मोदी सरकार का बदला करार दिया है। पी. चिदंबरम ने कहा कि यह सब लाइव टीवी पर आ रहा था, जिससे जाहिर होता है कि सरकार को इसका समर्थन था। माकपा नेता सीताराम येचुरी ने हिंसा के लिए जेएनयू प्रशासन व एबीवीपी को जिम्मेदार ठहराया। इसे हिंदुत्व के एजेंडे का विरोध करने वाले छात्रों पर नियोजित हमला करार दिया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पुत्र और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे, पुणे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान और द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने भी जेएनयू में हुई हिंसा की निंदा की है।

न्यूज गैलरी

सिपाही की पिस्टल लूटने वाले वकीलों की हुई पहचान

नई दिल्ली : तीस हजारी कोर्ट में वकीलों व पुलिसकर्मियों के बीच हुई हिंसक झड़प व आगजनी के दौरान मौके पर पहुंचे तत्कालीन एडिशनल डीसीपी हरेंद्र कुमार सिंह के ऑपरेटर सिपाही अमित कुमार से सरकारी 9 एमएम की पिस्टल लूटने वाले दो वकीलों की पहचान कर ली गई है। दोनों वकीलों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। तीस हजारी में 2 नवंबर की दोपहर पुलिसकर्मियों व वकीलों के बीच हिंसक झड़प में एडिशनल डीसीपी हरेंद्र व दो थानाध्यक्ष समेत 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। आठ वकील भी घटना में घायल हो गए थे। इसके अलावा आम लोगों की 12 बाइक, एक पुलिस जिप्सी व आठ जेल वेन में आग लगा दी गई थी। क्राइम ब्रांच की एसआइटी मामले की जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच अभी दोनों वकीलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी, क्योंकि हाई कोर्ट के आदेश पर इस मामले की न्यायिक जांच चल रही है। 20 मई तक यह जांच पूरी की जाएगी। क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबकि न्यायिक जांच पूरी होने के बाद वकीलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उक्त दोनों वकील तीस हजारी में प्रैक्टिस करते हैं। सिपाही अमित घटना के समय एडिशनल डीसीपी के साथ कोर्ट में मौके पर पहुंचे थे। उसी समय दो वकीलों ने भीड़ में उनकी पिस्टल लूट ली थी। अमित मेरठ के रहने वाले हैं। उनकी भी बुरी तरह से पिटाई की गई थी। भीड़ में शामिल लोगों ने एक अन्य सिपाही की एसएलआर भी लूट ली थी। लेकिन विरोध जताने पर बाद में लौटा दिया गया। (जासं)

दोबारा अतिक्रमण होने के लिए पुलिस जिम्मेदार : हाई कोर्ट

नई दिल्ली : अतिक्रमण को लेकर दायर एक याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाए जाने के बाद अगर उस जगह पर दोबारा अतिक्रमण होता है तो इसके लिए स्थानीय पुलिस जिम्मेदार होगी। न्यायमूर्ति हिमा कोहली व न्यायमूर्ति आशा मेनन की पीठ ने हौज खास थाने के एसएचओ को अदालत में पेश होकर जवाब देने का निर्देश दिया है। पीठ ने एसएचओ से कहा कि 23 जनवरी को होने वाली अगली सुनवाई पर बताएं कि अतिक्रमण दोबारा कैसे हुआ। दक्षिण दिल्ली स्थित पंचशील कॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड के सामने दोबारा अतिक्रमण होने पर याचिका दायर की गई थी। उक्त स्थान से नगर निगम दो बार अतिक्रमण हटवा चुका है। याचिका पर दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने हाई कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल कर दावा किया कि उक्त स्थान से 4 अक्टूबर को और फिर 10 दिसंबर को अतिक्रमण हटवा दिया गया। याचिकाकर्ता ने इससे सहमति जताई और कहा कि वहां पर दोबारा से अतिक्रमण हुआ है। पीठ ने इस पर कहा कि दोबारा से अतिक्रमण होने पर इसकी जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस की है। पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि दोबारा अतिक्रमण न हो। (जासं)

भाजपा के बूथ सम्मेलन में निशाने पर रहे केजरीवाल

सियासत ▶ अमित शाह ने उठाया दिल्ली सरकार द्वारा निगमों का अनुदान रोकने का मुद्दा

प्रदेश भाजपा के नेताओं ने उठाया दिल्ली में गंदे पानी और प्रदूषण का मुद्दा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हुए बूथ सम्मेलन में भाजपा के नेताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निशाने पर लिया। दिल्ली के गंदे पानी की शिकायतें हों या फिर गंदे पानी की वजह से बच्चों का बीमार पड़ना, इन मुद्दों का सहारा लेकर भाजपा के नेता दिल्ली सरकार और केजरीवाल पर हमलावर हुए। गृह मंत्री अमित शाह समेत दिल्ली भाजपा के सभी नेताओं ने केजरीवाल को निशाने पर लिया। शाह ने निगमों के कार्यों की तारीफ की और केजरीवाल पर निगमों के काम में बाधा डालने व 10 हजार करोड़ का अनुदान रोकने का आरोप लगाया।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आप के पास न ही नेतृत्व है और न ही नीति। गरीबों का हक मारने का काम आप ने किया है। इसमें गरीबों को पांच लाख का बीमा देने का काम भी रोका है और कच्ची कॉलोनियों को नियमित करने पर राजनीति की, लेकिन केंद्र सरकार ने एक झटके में 40 लाख से ज्यादा लोगों को मालिकाना हक दे दिया। इन कॉलोनियों में रजिस्ट्री देने का काम शुरू हो गया है। नड्डा ने कहा कि हमारे पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और कार्य करने की नीति व कार्यक्रम है। दिल्ली में केजरीवाल की नकारात्मक सरकार है, जो न विकास चाहती है न परिवर्तन। केंद्र की मोदी सरकार दिल्ली के प्रदूषण की समस्या को खत्म करने के लिए ईस्टर्न वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे का तोहफा दिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को गुमराह किया जिससे अब लोगों का उनसे मोहभंग हो गया है। 2015 के विस चुनाव में 67 विधानसभा सीटें जीतने वाले केजरीवाल लोस चुनाव 2019 में 65 विस सीटों पर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल अब 20-25 दिन के मुख्यमंत्री रह गए हैं। अगर उनमें दम है तो कच्ची कॉलोनियों की रजिस्ट्री रोक कर दिखाएं।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित भाजपा के बूथ सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ता। जागरण

मंच से 21 साल का वनवास तोड़ने की अपील

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली की सत्ता से बाहर रहने को लेकर भाजपा नेताओं का दर्द बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में दिखा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 21 वर्षों का वनवास खत्म करने के लिए पूरी ताकत से चुनाव लड़ने की जरूरत बताई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह सहित अन्य नेताओं ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। वर्ष 1993 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत मिली थी। पांच वर्ष सत्ता में रहने के बाद अब तक पार्टी की वापसी नहीं हुई है। शाह ने कहा '21 वर्षों से दिल्ली में हमारी सरकार नहीं बनी है। कार्यकर्ताओं से आह्वान करता हूं कि इस बार इतनी प्रचंड शक्ति का अनुभव कराएं कि दिल्ली में भाजपा का झंडा फहर जाए।' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री व चांदनी चौक से सांसद डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि कार्यकर्ता विजय संकल्प लेने के लिए आए हुए हैं। इनमें लोकसभा चुनाव से भी ज्यादा उत्साह है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के संकल्प और मेहनत की वजह से दिल्ली में सातों सांसद भाजपा के हैं। 70 में से 67 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी (आप) को भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव में 65 विधानसभा सीटों पर पराजित किया है। अब कार्यकर्ताओं को मतदाताओं के बीच जाकर बताना है कि दिल्ली को सर्वश्रेष्ठ शहर बनाने के लिए भाजपा की सरकार बनना बेहद जरूरी है।

लोगों के करीब जाकर जीतें दिल : शाह

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : अमित शाह ने बूथ सम्मेलन में कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करने के साथ ही उन्हें जीत का मंत्र भी दिया। उन्हें बड़ी रैलियों पर निर्भर रहने के बजाय मोहल्लों में छोटी-छोटी बैठकें करने और जनसंपर्क अभियान चलाने की नसीहत दी। इस अभियान में वह खुद भी शामिल होंगे। साथ ही पार्टी के अन्य बड़े नेता भी दिल्ली में जनसंपर्क करेंगे। उन्होंने दावा किया कि कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इस बार दिल्ली में मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। कहा कि अन्य दलों के लिए चुनाव सत्ता प्राप्त करने का साधन है, लेकिन भाजपा के लिए यह लोकतंत्र का महोत्सव है। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर प्रत्येक नागरिक से मिलना चाहिए। उन्हें भाजपा की विचारधारा, नरेंद्र मोदी सरकार के कामों की जानकारी देनी चाहिए। दिल्ली में एक भी व्यक्ति नहीं छूटना चाहिए, जिसके पास मोदी की फोटो व कमल निशान नहीं पहुंचा हो। उन्होंने कहा कि किसी को बार-बार झांसा नहीं दिया जा सकता है। वर्ष 2015 में दिल्लीवासियों को केजरीवाल ने झांसा देकर बड़ी जीत हासिल कर ली थी। उसके बाद नगर निगम चुनाव में उनकी पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया।

भाजपा के पास न तो मुद्दा है और न ही चेहरा : आतिशी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता आतिशी ने कहा कि अमित शाह के भाषण से साफ हो गया है कि दिल्ली में भाजपा के पास चुनाव में न तो मुद्दा है और न ही चेहरा। शाह ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार ने कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि शाह जी मोहल्ला सभा करने वाले हैं। मैं चाहती हूं कि वह इन मोहल्ला सभाओं में ही केजरीवाल सरकार के काम के बारे में पूछ लें। जनता खुद काम गिनाने लगेगी। आज जनता खुद शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी व अन्य क्षेत्र में इतने काम कर दिए हैं कि हर चौराहे पर केजरीवाल सरकार के काम की ही चर्चा हो रही है।

आतिशी ने कहा कि शाह जी की जनसभा से यह उम्मीद थी कि दिल्ली में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा मिलेगा, लेकिन दिल्ली निराश हुई। मेरा मानना है कि ऐसा पार्टी की अंदरुनी कलह की वजह से हुआ है। पार्टी कई बार अलग-अलग नेताओं को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर मुंह की खा चुकी है। उन्होंने कहा कि आप सिर्फ काम करने के लिए राजनीति में आई है। हमें दिल्ली को दुनिया का नंबर वन शहर बनाना है। इसमें हम सबका सहयोग और सलाह चाहते हैं। भाजपा के पास कोई भी अच्छा सुझाव दिल्ली के लिए हो तो वह जरूर दें। भाजपा को नकारात्मक राजनीति के बजाय दिल्ली के विकास के लिए सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए।

आप प्रवक्ता आतिशी। (फाइल)

मुझे गाली देने के बजाय दिल्ली के लिए अच्छे सुझाव दें : केजरीवाल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा रविवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में भाजपा कार्यकर्ताओं के संबोधन पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गृह मंत्री ने अपने पूरे भाषण में मुझे गाली देने के अलावा कुछ नहीं कहा। मैंने अमित शाह का पूरा भाषण सुना, मुझे लगा वह हमारे कार्यों की कमियां गिनाएंगे और दिल्ली के विकास की बात करेंगे। लेकिन, उन्होंने मुझे गाली देने के अलावा कुछ नहीं कहा। यदि दिल्ली के लिए उनके पास सुझाव हैं तो बताएं, हम अच्छे सुझावों को अगले पांच सालों में पूरा करेंगे।

'आयुष्मान भारत से बेहतर है दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के थिएटर में आयोजित टाउन हॉल कार्यक्रम में अपनी सरकार के पांच साल के कामकाज पर लोगों से बात की और उनके सवालों के जवाब भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोबारा सरकार में आने पर वह दिल्ली की सड़कों को विश्व स्तरीय बनाएंगे। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना से दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा कई मायने में बेहतर है। यहां हर वर्ग को सभी तरह की स्वास्थ्य सेवाएं फ्री मिल रही हैं। दिल्ली की जनता ने पांच साल पहले 70 में से 67 सीटें देकर आप को बहुमत दिया था। आप पांच साल पहले नई राजनीति का सपना लेकर आई थी। उस समय दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत बदतर हुआ करती थी। पांच साल में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति आई है और सरकारी स्कूल अच्छे हो गए हैं। अब सरकारी स्कूलों में गरीब के साथ अमीर लोग भी बच्चों को भेज रहे हैं। दिल्ली सरकार ने पांच साल में 22 हजार क्लास रूम बना दिए। सरकारी स्कूलों का इस साल का परिणाम 96 प्रतिशत और प्राइवेट स्कूलों का नतीजा 93 प्रतिशत है। प्राइवेट स्कूलों को मनमानी फीस नहीं बढ़ाने दी गई। कई स्कूलों को आदेश देकर फीस वापस भी कराई। स्वास्थ्य के क्षेत्र में खूब काम किया। पहले सरकारी अस्पतालों का बुरा हाल था। दवाइयों की खिड़कियां नहीं खुलती थीं और अब सभी दवाएं और सभी इलाज मुफ्त में मिल रहे हैं। अगर किसी के इलाज में 15 लाख खर्च आता है, तो उसका भी खर्च दिल्ली सरकार देती है।

उन्होंने इस बाबत एक शख्स की ओर से पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए कहा कि आयुष्मान योजना को जनता कहेगी कि इसे लागू कर दिया जाए, तो आज ही लागू कर दिया जाएगा। लेकिन दिल्ली सरकार ने सबका इलाज मुफ्त कर दिया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत व्यक्ति का इंश्योरेंस कराया जाता है। जिनके पास स्कूटर, फ्रिज, मोबाइल और 10 हजार से ऊपर परिवार की आय है, उसको लाभ नहीं मिलेगा। इसके बाद जो लोग बचेंगे, उन्हें लाभ मिलेगा। कितने लोग बचेंगे। बाकी लोग बीमार होने पर वे पांच लाख का इंश्योरेंस करेंगे। दिल्ली सरकार कुछ मामलों में प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने का भी पैसा देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने दिल्ली का बजट 30 हजार करोड़ से बढ़ाकर 60 हजार करोड़ रुपये कर दिया है। राज्य की जनता ने खुद ही टैक्स देना शुरू कर दिया। दिल्ली के अंदर अब टैक्स देना पुण्य माना जाता है। सरकार पर लोगों का भरोसा बढ़ा है।

एक दिन में खुले 152 मोहल्ला क्लीनिक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केजरीवाल सरकार ने रविवार को दिल्ली में एक साथ 152 मोहल्ला क्लीनिक खोलकर रिकार्ड कायम किया है। सरकार ने दावा किया है कि विश्व में पहली बार एक दिन में किसी एक शहर में इतने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोले गए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पीतमपुरा के वेस्ट एंक्लेव में मोहल्ला क्लीनिक का शुभारंभ करते हुए कहा कि आज से अलग-अलग स्थानों पर 152 नए मोहल्ला क्लीनिक क्लीनिक शुरू हो गए हैं। 2015 में पहला मोहल्ला क्लीनिक खोला गया था, जो पीतमपुरा के झुग्गी इलाके में खोला गया था। वह मोहल्ला क्लीनिक बहुत ही सफल रहा। इसके बाद हम लोगों ने पूरी दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक बनाने का फैसला लिया। पहले 100 मोहल्ला क्लीनिक तो बन गए। उसके बाद कई अड़चनें आ गईं। साल-दो साल तक सभी फाइलें रुकी रहीं। उसके बाद जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया, तब काम में तेजी आई। आज पूरी दिल्ली में 452 से अधिक मोहल्ला क्लीनिक बन गए हैं।

इस बार प्रत्याशियों की घोषणा देर से करेगी आप

वी.के. शुक्ला, नई दिल्ली

- पार्टी के रणनीतिकार अभी प्रत्याशियों की घोषणा को ठीक नहीं मान रहे
- एक बार में ही सभी सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए जाने की संभावना

पिछली बार से भी अधिक सीटों को जीतने का लक्ष्य लेकर चुनाव मैदान में उतर चुकी आम आदमी पार्टी (आप) इस विधानसभा चुनाव में देर से प्रत्याशी घोषित कर सकती है। पार्टी के रणनीतिकार अभी प्रत्याशियों की घोषणा को ठीक नहीं मानते हैं। यह भी संभव है कि इस बार एक बार में ही सभी सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए जाएं।

इस विधानसभा चुनाव में पार्टी नेतृत्व भले ही किसी दल को अपना मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं मान रहा है, मगर चुनावी मौसम में पांव फूंक-फूंक कर कदम रखे जा रहे हैं। 2013 के विधानसभा चुनाव में अधिसूचना जारी होने से काफी पहले प्रत्याशी घोषित किए गए थे। 2014 के लोकसभा चुनाव और फिर 2015 के विधानसभा चुनाव में भी यही स्थिति रही। इसका मकसद यह था कि वे अपनी तैयारी कर सकें। पहले इस बात पर सहमति थी कि जल्द प्रत्याशी घोषित किए जाएं जिससे वे तैयारी कर सकें। मगर बाद में आप की रणनीति में बदलाव हुआ है। अब देरी से प्रत्याशियों की घोषणा किए जाने की बात सामने आ रही है।

पार्टी के रणनीतिकार मान रहे हैं कि इस बार भी साफ तौर पर चुनाव मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नाम पर लड़ा जा रहा है। जब केजरीवाल के नाम पर चुनाव लड़ा जा रहा है तो प्रत्याशियों के नाम घोषित करने में जल्दबाजी की जरूरत नहीं है। रणनीति के अनुसार अभी पार्टी स्तर पर ही चुनाव के लिए माहौल बनाया जा रहा है। इसमें मुख्यरूप से मुख्यमंत्री की टाउनहॉल में मीटिंग हो रही हैं। इन मीटिंग में एक बात देखने को मिल रही है कि मंच पर केवल मुख्यमंत्री ही दिख रहे हैं। पार्टी के अन्य सभी नेता और टिकट के दावेदार जनता के बीच बैठते हैं। घोषणा हो जाने के बाद ही प्रत्याशी मंच पर पहुंचेंगे। पार्टी ने अपने सभी 61 विधायकों से भी अपने-अपने क्षेत्रों में चुनाव की तैयारियों में लगने के लिए कह दिया है। माना जा रहा है कि नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाने पर आप के प्रत्याशी घोषित हो सकते हैं। जिन नौ सीटों पर आप के विधायक नहीं हैं, उन पर भी जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को लगाया जा चुका है। संभव है कि उन्हें ही इन सीटों पर प्रत्याशी बनाया जाएगा।

आयोजन

रविवार की छुट्टी होने के चलते मेले में करीब एक लाख लोग पहुंचे, अपनी पसंद की किताब खोजता नजर आया हर कोई

शब्दों के संसार में पुस्तक प्रेमियों की लगीं कतारें

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

विश्व पुस्तक मेले के दूसरे दिन भी पुस्तक प्रेमियों का उत्साह देखते ही बना। सुबह से ही मेले में पाठकों का जो आवागमन शुरू हुआ, वह शाम तक नहीं थमा। रविवार को छुटटी का दिन होने के कारण मेले में प्रवेश के लिए प्रगति मैदान के गेट नंबर-एक और 10 पर पाठकों को लंबी- लंबी कतारों में देखा गया। मेला आयोजक राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के मुताबिक रविवार को मेले में करीब एक लाख लोग पहुंचे।

हॉल नंबर-12 में साहित्यिक प्रकाशक हैं तो हॉल नंबर-7 में शैक्षिक प्रकाशक। हॉल नंबर-7 से 11 में विभिन्न भाषाओं के प्रकाशकों की स्टॉल हैं। सभी जगह पाठक अपनी पसंदीदा पुस्तकें खोजते नजर आ जाते हैं। थीम और बाल मंडप में होने वाली गतिविधियों में भी हर उम्र के दर्शकों की दिलचस्पी दिखाई देती है। दूसरी तरफ मेले में पुस्तक लोकार्पण समारोह, चर्चा-परिचर्चा, संगोष्ठी इत्यादि की भी धूम है।

हॉल नंबर- 12ए में प्रभात प्रकाशन के स्टॉल पर युवा व्यंग्यकार पीयूष पांडेय के व्यंग्य संग्रह कबीरा बैठा डिबेट में' का लोकार्पण हुआ। इसका लोकार्पण कवि अशोक चक्रधर, व्यंग्यकार आलोक पौराणिक, वरिष्ठ पत्रकार पुण्य प्रसून बाजपेई ने किया। पांडेय के इस व्यंग्य संग्रह में 65 व्यंग्य हैं।

विश्व पुस्तक मेले में किताबें पसंद करते लोग। पारस कुमार

हॉल नंबर- 12 में संवाद प्रकाशन के स्टॉल पर 'मारीना' पुस्तक का लोकार्पण प्रियदर्शन ने किया। इस अवसर पर कवयित्री देवयानी भारद्वाज और लेखिका प्रतिभा कटियार भी मौजूद रहीं। लेखिका ने कहा कि यह पुस्तक रूस की प्रसिद्ध मारीना त्स्वेतायेबा की जीवनी पर आधारित है और उनके जीवन के तमाम उतार चढ़ावों पर जानकारी देती है। वहीं प्रियदर्शन का कहना था कि लेखक भले न रहे मगर उसकी रचना हमेशा बनी रहती है। मारीना भी जब जीवित थीं तो उन्हें उतना सम्मान नहीं मिला, जबकि आज उनकी गिनती वहां की महान कवयित्रियों में होती है।

हॉल नंबर-7 में एमबीडी ग्रुप ने डिजनी थीम पर प्री प्राइमरी पुस्तकों का लोकार्पण किया। 3 से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए तैयार ये पुस्तकें लोकप्रिय डिजनी और पिक्चर की कहानियों- मिकी एंड फ्रेंड्स, प्रिंसेस, द लायन किंग, फ्रोजन, कार्स, टॉय स्टोरी फ्रेंचाइजी और बहुत-सी खूबियों के साथ प्रस्तुत करती हैं।

फंड रेजिंग डिनर से आप ने जुटाए डेढ़ करोड़ रुपये

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : पैसे की कमी से जूझ रही आम आदमी पार्टी (आप) ने विधानसभा चुनाव के लिए लोगों से चंदा देने की अपील की है। साथ ही चुनाव के लिए फंड रेजिंग डिनर का आयोजन भी शुरू कर दिया है। इस चुनाव के लिए शनिवार को हुए पहले फंड रेजिंग डिनर से आप ने 1.5 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। आप के ट्रेड विंग और दिल्ली के व्यापारियों की तरफ से कनॉट प्लेस के रॉयल प्लाजा होटल में फंड रेजिंग डिनर का आयोजन शनिवार शाम किया गया था। शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक चले इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के अलावा सांसद संजय सिंह, सुशील गुप्ता एवं आप नेता पंकज गुप्ता आदि मौजूद रहे। आप ट्रेड विंग के संयोजक बृजेश गोयल एवं महासचिव विष्णु भार्गव ने बताया कि इस कार्यक्रम में डेढ़ करोड़ रुपये इकट्ठा हुए। कार्यक्रम के लिए करीब 450 व्यापारियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। कार्यक्रम में 5 हजार से लेकर 5 लाख तक का चंदा व्यापारियों ने दिया। गोयल ने बताया कि आप बड़े-बड़े उद्योगपतियों और औद्योगिक घरानों से चंदा लेकर चुनाव नहीं लड़ती है, बल्कि आम आदमी व आम व्यापारी से चंदा लेकर चुनाव लड़ती है। यही कारण है कि सरकार की जो भी नीतियां बनती हैं, वे आम आदमी और आम व्यापारी के लिए बनती हैं।